मॉम के बाद उनकी सहेली को भी चोदा- 2

“मॉम ऐस फकिंग स्टोरी में सुबह मम्मी चाय बना रही थीं तो मैं रसोई में चला गया. झीनी नाईटी में मामी की गांड की दरार दिख रही थी. मैंने मम्मी की गांड रसोई में ही मारी. …”

Story By: सैम 68 (sam6)
Posted: Monday, January 27th, 2025
Categories: लड़कियों की गांड चुदाई
Online version: मॉम के बाद उनकी सहेली को भी चोदा- 2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मॉम के बाद उनकी सहेली को भी चोदा- 2

मॉम ऐस फकिंग स्टोरी में सुबह मम्मी चाय बना रही थी तो मैं रसोई में चला गया. झीनी नाईटी में मामी की गांड की दरार दिख रही थी. मैंने मम्मी की गांड रसोई में ही मारी.

फ्रेंड्स, मैं अमित आपको अपनी मॉम व उनकी सहेली की चुदाई की कहानी में स्वागत करता हूँ.
कहानी के पिछले भाग
पापा से बात करते करते मम्मी की चुदाई
में अब तक आपने पढ़ा था कि मॉम मुझसे चुदती हुई पापा के साथ फोन सेक्स का मजा ले रही थीं और मुझे असली चुदाई का मजा दे रही थीं.

अब आगे मॉम ऐस फकिंग स्टोरी :

मैं- मॉम बहुत मस्त आइडिया था आपका … बाप और बेटे दोनों को खुश कर दिया !

मॉम- और क्या तू भी नहीं चोद रहा था मुझे … आह्ह्ह … चल अब मुझे भी सही से खुश कर दे.

मैंने अब मॉम के दूध पकड़ लिए और जोर जोर से चोदने लगा. उनकी चूत में से फचक फचक की आवाज आने लगीं.

मेरी जांघें मॉम के चूतड़ों से टकरा रही थीं, तो फट फट की आवाज आने लगी थी.

मॉम- आआह आआह्ह्ह … उउइइइ मॉम बहुत मज़ा आ रहा है … चोद अपनी मॉम को … आअ ह्ह्ह … साले दूध पकड़ ले मादरचोद … आआ तेज तेज चोद साले !

मॉम जोर जोर से चिल्ला रही थीं, उन्हें परम मजा आने वाला था.
हमारे घर के चारों तरफ कोई और घर नहीं था इसलिए मॉम की आवाज सुनने वाला कोई नहीं था.

मैंने उन्हें बिस्तर के एक कोने पर किया और खुद नीचे खड़ा होकर जोर जोर से शॉट मारने लगा.

तेज शॉट लगने से वे बार बार आगे को खिसकती जा रही थीं.
मैं- अरे यार, आगे क्यों भाग रही है ?
मॉम- बहुत जोर से धक्का मार रहा है तू आह !

मैंने अब मॉम के दोनों दूध अपने दोनों हाथों से पकड़ लिए.
अब वे मेरी मर्जी के बिना हिल भी नहीं सकती थीं.

मॉम- आह्ह्ह … अब ठीक है बेटे, चोद अपनी मॉम को … आआ मर गई … साले ने मारा डाला … आआह बहुत मज़ा आ रहा है यार … उउइ मर गई रे आह !

मेरा लंड अब सारा का सारा अन्दर जा रहा था.
मॉम की चूत से फ़च फ़च की आवाज आ रही थी, चूत का कुछ पानी भी बाहर निकल गया था.

मॉम के चूतड़ लाल हो गए थे. उनको बहुत मज़ा आ रहा था- आह्ह्ह … अमित चोद दे मेरी चूत … आह मर गई यार … फाड़ डाली तूने ऊहहह … मर गई रे अमित आआह … छोड़ दे भोसड़ी के मादरचोद !

वे कुछ देर तक चिल्लाती रहीं, मैं उनको चोदता रहा.

तभी मैं मॉम की चूत में ही झड़ गया.
मैं उनको झड़ने के बाद भी चोद रहा था.
उस वजह से चूत वीर्य से भरने लगी और उसी समय मॉम भी झड़ गईं.

मैंने मॉम की चूत में कई शॉट मारे और अपना माल उनकी चूत में भर दिया.
वे मेरे आगे झुकी हुई बिस्तर पर औंधी पड़ी थीं.
मैं भी उनके ऊपर झुक गया और कुछ देर तक अपना लंड मॉम की चूत में ही डाले रखा.
मॉम कुछ भी नहीं बोल रही थीं.

फिर मैंने मॉम को छोड़ दिया.
मॉम और मैं दोनों खड़े हो गए.

मॉम ने मेरी तरफ देखा और मुस्कान दे दी.
मैंने देखा उनकी आंखों में आंसू आ गए थे.

मॉम ने मुझे पकड़ा और बोलीं- सच में तू बहुत बड़ा मादरचोद है. इतना मज़ा मुझे कभी नहीं आया अमित … आई लव यू बेटा … तू जब चाहे मुझे चोद लिया कर … आई लव यू राजा.
मैं- आई लव यू मॉम, तुम बहुत अच्छी हो … आज बहुत मजा दिया!

मॉम- मजा तो तूने मुझे इतना ज्यादा दिया है कि मैं बता ही नहीं सकती.
मैं- ओह मॉम तुम कितनी प्यारी हो.

मैंने मॉम को अपनी बांहों में दबोच लिया और लिप-लॉक कर दिया.
मॉम मेरी पीठ पर हाथ फेर रही थीं.
मैं सोच रहा था कि अनीता आंटी की चूत किस तरह से लूँ!

मॉम को चोद कर मैं आराम से सो गया.
अब मुझे मॉम की चूत बहुत अच्छी लगने लगी थी.

सुबह जब उठा तो मॉम मेरे लिए चाय ले आईं. उस वक्त मॉम ने नाइटी पहनी हुई थी.
वैसे तो मॉम रात को नंगी ही सोती हैं, पर वे सुबह नाइटी में भी गजब की माल लग रही थीं.

मैंने पानी पिया और चाय पीने लगा.
मैंने चादर ओढ़ी हुई थी.

मॉम मेरे पास ही आकर बैठ गईं.
वे मुझे देख कर मुस्कुराईं, मैंने आराम से चाय पी ली.

मॉम को देख कर मेरा लंड खड़ा हो गया क्योंकि उनकी सिल्क की इस नाइटी में से उनके दूध के निप्पल एकदम कड़क दिख रहे थे.
मॉम ने मेरे सख्त होते हुए लंड की ओर देखा.

मॉम- अमित कपड़े पहन ले अब, फिर चाहे सो जाना.
मैं- ओह मॉम … इतनी सुबह कौन आता है !

मॉम इठला कर बोलीं- कोई आ गया तो ?

मैं- बस तुम ही तो आती हो, तुम सब बात जानती हो … बहनें घर पर हैं नहीं मॉम.
मॉम- तू बड़े बहाने बना देता है !

मैंने अब मॉम को पकड़ लिया था और उनको गाल पर किस कर दिया.
फिर मॉम की नाइटी में हाथ डाल कर उनके दूध को दबाने लगा.

मॉम- ऊह आहह … तुमको तो कुछ दिखना चाहिए … बस शुरू हो जाते हो !
मैं- मॉम की ले रहा हूं, मॉम दे रही हैं … किसी को क्या प्रॉब्लम है ! वैसे भी तुम मस्त माल हो.

मैंने मॉम की नाइटी खोल दी और दूध पकड़ कर मसला और छोड़ दिया.
मॉम भी आह भर कर मेरे सर पर हाथ फेरने लगीं.

‘आआहह अमित ओह्ह्ह बस दूध ही मसलने मिलेंगे … चूत नहीं मिलेगी ! तू बस दूध पकड़ कर शुरू हो जाता है और मुझे अभी ढेर सारे काम हैं. आह रहने दे मेरे लाल … दोपहर को चोद लेना आआह !

मैं- आआह थोड़ी देर रुक जाओ न आह उउम्म … बड़े मस्त दूध हैं … थोड़ी देर चूमने दो न मॉम !

अब मैं मॉम की एक चूची का निप्पल चूसने लगा.
इससे मॉम को भी मजा आने लगा- आआ यार, बड़े मजे ले रहा है. आआ ऊह आहह आराम से कर न … आहहह अमित … बहुत मस्त चूसता है तू … तेरे पापा भी इतना नहीं चूसते हैं. आआह्ह्ह.

मॉम को मज़ा आने लगा, वह मेरे बाल सहला रही थीं और सिसकारी भर रही थीं.

मैं- आआह … सुबह सुबह तुम मिल जाओ तो फिर क्या चाहिए मॉम, बहुत मस्त माल हो !
मॉम- आह ऊओह … अब मुझे छोड़ो बाबा … चलो छोड़ो यार !

मैंने मॉम को छोड़ दिया, मॉम ने नाइटी पहन ली और चली गईं.
मॉम तो चली गईं, पर लंड खड़ा था.

मैंने अंडरवियर पहना और फ्रेश होने के लिए चला गया.
थोड़ी देर बाद मैं आ गया, मॉम किचन में थीं.

मैंने मॉम को पीछे से पकड़ लिया.

मॉम- आ गए तुम … ओह मुझे काम नहीं करने देगा तू … मॉम को देख कर ही अपना डंडा खड़ा कर देता है तू !
मैं- ओह मॉम तुम्हारी गांड है ही इतनी मस्त कि ये अपना आप खड़ा हो जाता है !

मॉम- गेट बंद किया है ना, बिना गेट को बंद किए कभी पकड़े जा सकते हैं.
मैं- बंद कर दिया बाबा, टेंशन मत लो यार कोई नहीं आता इतनी जल्दी !

मॉम- अगर कोई आ गया तो ?
मैंने मॉम की नाइटी ऊपर कर दी और उनकी गांड में अपना लंड डाल दिया- ओ बेबी ओहह.

मॉम- बड़ा गर्म है तेरा, तू मुझे किचन में ही क्यों चोदता है ?
मैं- क्या यार, तुम खड़ी होती हो, तो चोदने में मजा आता है, सीधा अन्दर घुस जाता है … ओह बहुत मज़ा आ रहा है यार हिलो मत मॉम !

मॉम- आहहह अमित … ऊह अमित आआ ओ अमित, आराम से करो !
मैं- मजा आ रहा है मॉम अब तो रहा नहीं जा रहा बहन की लौड़ी … ले अन्दर तक ले लौड़ा !

मॉम- ओह मार डाला आआहहह !
मैं- ऊह बहन की चूत तेरी साली रंडी … आ रूक जा कमीनी कुतिया … ऊह साली आहह.
मॉम- आहह फाड़ दी कुत्ते ने आह !

मैंने मॉम के मम्मों को पकड़ लिया और दबोच कर जोर जोर से शॉट मारने लगा था.
गांड से फट फट की आवाज आने लगी. मुझे बस पूरा मजा आने ही वाला था.

मैं पूरी ताकत से शॉट मार रहा था, मॉम कुछ भी नहीं बोल रही थीं.
उनकी गांड में मेरा लौड़ा अन्दर बाहर हो रहा था.

मैंने स्पीड फुल कर दी, किचन में बहुत आवाज आने लगी.
मॉम की चुदाई युद्ध स्तर पर हो रही थी.

मॉम- ओह मर गई यार … आह आआह छोड़ दे मुझे आह !
मैं- आह यार … बहुत मज़ा आ रहा है !

मॉम- मेरी चुदाई कर रहा है साले अपनी बहनों को भी चोदने की सोच … दोनों एकदम मस्त माल बन गई हैं … दोनों के दूध बहुत मस्त हैं … शर्ट में से निप्पल बाहर आने के लिए तैयार हैं … हम तीनों को बारी बारी से चोद लिया करो … टेस्ट भी बदल जाएगा और हमको भी अच्छा लगेगा, छोटी वाली वैसे भी बहुत मस्त लगती है तुझे … अपने कमरे में तू जिसे भी बुलाएगा, वह तेरे लंड से अपनी चूत मरवाने के लिए आ जाया करेगी, तू बस नंगी करके सबको बारी बारी से चोदना.

मैं- आह सबको चोदूँगा मॉम … बस वह दोनों मामा के घर से आ जाएं, मादरचोद तो मैं हूं ही, बहनचोद भी बन जाऊंगा.

मॉम- आआह आ आ आआ … मज़ा आ रहा है … तू मुझे आज दोपहर को चोदना …
अभी तो बस तू मज़ा ले ले !

मैं- आह्ह्ह आह्ह्ह यार तेरी गांड तो खूब मजा दे रही है. साली रांड की गांड … आह.

मॉम- आआह अब जल्दी से चोद ले, आह नो यार ऊह साले तेरा लौड़ा बहुत मोटा है …
उउउई मर गई !

मॉम बहुत देर तक गांड मरवाती रही थीं.
मुझे भी उनकी गांड चुदाई में बहुत ही मजा आ रहा था.
मैं बस उनकी गांड में ही झड़ना चाहता था.

मैंने जोर जोर से शॉट मारे, तब उनकी गांड मेरी चुदाई के रस से भर गई.
पर मैं फिर भी जोर जोर से शॉट मार कर मॉम ऐस फकिंग का मजा ले रहा था.

मैंने अब मॉम को छोड़ दिया, मॉम ने एक कपड़े से गांड साफ की.

मैं अपनी अंडरवियर पहन कर किचन से बाहर आ गया, उधर मॉम ने भी नाइटी पहन ली.

कुछ देर के बाद मैं नहाने चला गया, थोड़ी देर बाद मॉम भी नहा कर आ गईं.

मॉम ने आज गुलाबी साड़ी पहनी थी. गुलाबी साड़ी में वे बड़ी मस्त लग रही थीं.
अनीता आंटी ने उन्हें जो ब्रा और पैंटी दिलवाई थी, मॉम ने आज वही पहनी थी.

मॉम मेरे पास आईं.
वे मुझे देख कर पहले तो मुस्कुराईं.
फिर वे अपना मेकअप करने लगीं.

मैंने उन्हें अपने पास बुलाते हुए कहा- इधर आओ न !
मॉम- क्या इधर आओ ना ? लो अब तुम अपने हाथों से मेरी मांग भर दो. आज से मैं
तुम्हारी घर वाली हूं.

मैं- अरे वाह डार्लिंग, लाओ … ये लो मैंने तुम्हारी मांग भर दी … अब तो खुश हो न …

अब बस एक काम बाकी रह गया है!
मॉम ने मेरी तरफ देखते हुए कहा- क्या?
मैं- तुमको मंगलसूत्र पहनाना!

मॉम- अरे तो ये रहा न … लो पहना दो!

मैंने मॉम को अपनी बांहों में भर लिया और मंगलसूत्र पहना दिया.
मॉम बहुत खुश हो गईं, वे शर्मा भी रही थीं.

मॉम- आज बाजार जाकर कुछ सामान लाना है. वैसे तो मैं सब सामान ले आई थी, पर कुछ सामान तुमको लाना है. अभी तो धूप है, शाम को ले आना!
मैं- चलो ठीक है, शाम को खेलने जाऊंगा तो ले आऊंगा.

मॉम- शाम को कहीं नहीं जाना है, आज अपनी सुहागरात है!
मैं- अरे वाह … तभी नई दुल्हन की तरह गुलाबी साड़ी में खूब मस्त लग रही हो!

मॉम ने हंसते हुए कहा- आज की रात तुम मुझे पत्नी बना कर वह सब करोगे, तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा. आज मैं सुहाग सेज पर तुम्हारा इंतज़ार करूँगी.
मैं- ओह डार्लिंग, सब कुछ वैसे ही होगा … जो सुहागरात में होता है.

मॉम- ओह अमित मैं तो बहुत एक्साइटेड हो रही हूं, जब तुम घूंघट उठाकर मुझे देखोगे और फिर मेरी साड़ी उतार कर प्यार करोगे … ओह माय गॉड अमित सच में मुझे बड़ी मस्ती चढ़ रही है. तुम ये लिस्ट ले लो और सब सामान ले आना!
मैं- ठीक है मॉम.

मॉम- अब मॉम मत कहो, डार्लिंग कहो … अब मैं मॉम नहीं, तुम्हारी बीवी हूँ.
मैं- ओह डार्लिंग, जरा अपने घरवाले के पास आओ न … थोड़ा सा प्यार कर लूं अपनी

डार्लिंग को. आओ मेरी गोदी में बैठो … आओ ना !
मॉम- आ रही हूँ जानू !

मॉम मेरे पास आईं और गोदी में बैठ गईं.
उनकी गोरी बांहें मेरे कंधे पर थीं.

मैंने मॉम के होंठों को चूमना शुरू कर दिया ; वे भी चूस रही थीं.

हम दोनों होंठों चूमने में बिजी हो गए.
मेरा हाथ मॉम के दूध पर था, उनकी मस्त ब्रा पहनने से दूध और भी मस्त हो गए.

मैं बहुत देर तक दूध दबाता रहा.
मॉम भी खूब खुश थीं और उन्होंने अपनी आंखें बंद कर ली थीं.

वे मुझे चूस रही थीं और बोल भी रही थीं- ओह अमित डार्लिंग, आह ओहह ओह … अमित चूसो यार … आह यार आज रात मैं तुमको बहुत मज़ा दूँगी … आज सारी रात मुझे जी भर कर चोदना आआह अमित … तुम बहुत अच्छे मर्द हो … तुम्हारी बीवी बन कर मैं बहुत खुश हूँ डार्लिंग आआह मेरी चूत में तुम्हारा ही लंड होगा आह !

मैं- डार्लिंग, तुम को आज बहुत प्यार से चोदूंगा … तुमको इतना प्यार करूंगा कि कोई भी नहीं कर पाएगा. सारी रात मेरा लंड तेरी ही चूत में होगा डार्लिंग … तेरा जब जी करे, तब ये लंड अपनी चूत में लपक लेना !

मॉम- आआहह जानू … मैं लेट हो रही हूँ पर तुम्हारी गोद से खड़ा होने का जी नहीं कर रहा है डार्लिंग … तुमने तो सच में जादू कर दिया यार !

मैं मॉम को चूस रहा था, तभी फोन बजने लगा.

मॉम ने देखा, तो अनीता आंटी का फोन था.

मॉम ने मेरी तरफ देखा और मुस्कान दे दी.
मैं- कोई बात नहीं … उठा लो डार्लिंग!

मॉम ने फोन उठा लिया.
वे मेरी ही गोद में बैठी थीं और मैं उनके एक गाल को चूस रहा था.

उन्होंने दूसरी तरफ फोन लगा लिया.
मैं मॉम के दूध से खेल रहा था.

अनीता- हाय कैसी है यार?
मॉम- ठीक हूँ यार!

अनीता- क्या हो रहा है?
मॉम- आआ … कुछ नहीं.

अनीता- अरे यार, यह आह आह क्या लगा रखा है … क्या मूड है तेरा?
मॉम- अरे कुछ नहीं, कुछ नहीं.

अनीता- पकड़ी गई ना!
मॉम- नहीं यार वह बात नहीं है … वह मैं …

अनीता- मुझे सब पता है, भाई साहब के बिना, ये सब होता ही है. उंगली से काम चलाना पड़ता है … मैं सब समझती हूं!

मॉम- यार, किसी को बोलना मत आह!
अनीता- नहीं यार तू डर मत … ये तो नॉर्मल है यार. मैं भी करती हूं लेकिन मेरे पास इसका

एक प्लान भी है. मैंने तो इस्तेमाल किया है, तू कहे तो तेरी भी प्रॉब्लम दूर कर दूंगी!

मॉम- नहीं यार, मैं अमित से!
अनीता- क्या कहा … किससे करती है तू?

मॉम ने बात संभालते हुए कहा- नहीं, मैं अमित से डरती हूं, उसको पता चल जाएगा … रहने दे यार!
अनीता- यार पहले मैं भी डरती थी, पर अब तो बहुत मज़ा आता है … सब दर्द दूर हो गया!

मॉम- वह कैसे?

अनीता- क्या यार तुझे तो पता है ना कि मेरे पति की तो नाइट ड्यूटी होती है.
मॉम- हां तो?

अनीता- यार मैंने तो पड़ोस वाले से सैटिंग की थी, उसकी पड़ोस में दुकान है … वह मुझे खूब मजा देता था.
मॉम- वह रोज आता था क्या?

अनीता- हां लगभग रोज ही घर पर आकर चोदता था, सच में यार बड़ा मस्त लंड था उसका!
मॉम- फिर?

अनीता- वह मुझे सामान देने घर ही आ जाता था. पहले मैं उसकी दुकान पर जाती थी, फिर जान पहचान हो गई तो वह घर ही आने लगा. मेरे पति को भी इस बात से कोई प्रॉब्लम नहीं थी.

अनीता की बात सुनकर मैंने मॉम के गाल चूसने छोड़ दिए और अब मैं उनके दूध को चूसना चाहता था.
मैंने मॉम को इशारा किया कि वह ब्लाउज खोल दें.

मॉम- यार एक मिनट होल्ड करो !

तब मॉम ने फोन रख दिया और हाथ ऊपर कर दिया.
मैंने झट से मॉम का ब्लाउज खोल दिया.

मॉम ने अनीता आंटी वाली महंगी ब्रा पहन रखी थी, मैंने उसे भी खोल दिया.
मॉम मेरी तरफ देख कर मुस्कुराईं.
मेरा हाथ मॉम की नंगी पीठ के संपर्क था.

मॉम ने फोन उठाया और बात करने लगीं.
मैंने मॉम के दूध को हाथ से पकड़ा कर मुँह में लेकर खींच लिया.
मॉम ने कामुक आह भरी- ओह आह … हां यार फिर क्या हुआ ?

अनीता- यार, तेरी आवाज़ से लग रहा है कि तू बहुत प्यासी है.
मॉम ने कहा- हां यार, मुझे बड़ी आग लगी है.

दोस्तो, मेरी मॉम ने अपनी सहेली से उसकी गैर मर्द से चुदाई की बात को किस तरह से जाना और अचानक से उन्होंने मुझसे अपनी चुदाई की बात को भी कह दिया.
यह सब मैं आपको अगले भाग में लिखने वाला हूँ.

आप मुझे इस मॉम ऐस फकिंग स्टोरी पर अपने विचार जरूर भेजें.
sam682320@gmail.com

मॉम ऐस फकिंग स्टोरी का अगला भाग : मॉम के बाद उनकी सहेली को भी चोदा- 3

Other stories you may be interested in

प्यासी विवाहिता लड़की की प्यास बुझाई- 1

यंग हॉट बॉडी का मजा मैंने अपनी जवान पड़ोसन लड़की के साथ लिया. वह मेरी किरायेदार थी और गजब का माल थी. मैं उसे चोदना चाहता था. होली के बहाने मैंने उसकी चूची मसल दी. नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम महेंद्र […]
Full Story >>>

मॉम के बाद उनकी सहेली को भी चोदा- 1

हॉट मदर फक कहानी में मेरी सौतेली माँ को मैं रोज चोदता था. एक रात में माँ की चुदाई कर रहा था कि पापा का फोन आ गया. तब माँ और पापा सेक्स रोल प्ले करने लगे और मेरा लंड […]
Full Story >>>

भाभी गिटार सीखने के बहाने चुदी

हॉटसेक्स विद सेक्सी भाबी का मजा मुझे पड़ोस की भाभी ने दिया. मुझे गिटार बजाना आता है. वे मेरे पास गिटार सिखने आने लगी. बदले में भाभी ने मुझे चुदाई सिखा दी. सब को मेरा प्यार भरा नमस्कार। मेरा नाम […]
Full Story >>>

मौसी की ननद के साथ चुदाई के मजे

इंडियन देसी लड़की की चुदाई का मजा मुझे दिया एक अनमैरिड लड़की ने. वह हमारी रिश्तेदार थी और उस रात हमारे घर में रुकी थी. मैंने उसकी चूत में अपना लंड दबा के पेला. मेरी पिछली कहानी होली के दिन […]
Full Story >>>

अय्याश मां की बदमाश बेटी की पहली चुदाई

टीन वर्जिनिटी लॉस्ट स्टोरी में अपनी अम्मी का रण्डीपना देख मैं भी अपनी चूत का उद्घाटन करवाने की जल्दी में थी. मैं मोटा मुर्गा तलाश रही थी. मैंने अपनी सहेली के यार को पटाया. आदाब दोस्तो, मेरी एक कहानी मेरी […]
Full Story >>>